बच्चे एकाग्र होकर चीजों को देखें : प्रो. सिन्हा

प्रकृति के अलग-अलग रूपों से मिलती है गणित सीखने की कला

सिटी रिपोर्टर। पटना

प्रकृति ने गणित सीखने का ज्ञान दिया है। बचपन से ही हमें अधिक चीजें आकर्षित करती हैं। प्रोफेसर केसी सिन्हा ने नए-नए तरीकों से बच्चों को गणित सिखाते नजर आए। आईआईटी पटना में इंस्ट्रक्शनल स्कूल फॉर मैथमेटिक्स फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन उन्होंने बताया कि घर का एसी, फ्रिज से लेकर वाशिंग मशीन सब में गणित है। अब सामाजिक विज्ञान से लेकर मनोविज्ञान में गणित का प्रयोग हो रहा है। इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई के प्रो. अजीत कुमार ने नौंवी से दसवीं के छात्र-छात्राओं को संख्या प्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम गणित, विज्ञान, इंजीनियरिंग और कंप्यूटर के क्षेत्र में संख्या प्रणाली का इस्तेमाल करते हैं।

हर जगह गणित का महत्व बढ़ता जा रहा है : प्रो केसी सिन्हा

पटना. आइआइटी पटना में 'इंस्ट्रक्शन स्कूल फॉर मैथेमेटिक्स फाउंडेशन' प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रहा. प्रशिक्षण देते हुए एनओयू के कुलपति प्रो केसी सिन्हा ने कहा कि प्रकृति ने हमें गणित सीखने का ज्ञान दिया है. बचपन से ही हमें अधिक चीजें आकर्षित करती हैं. उन्होंने बताया कि घर का एसी, फ्रिज से लेकर वाशिंग मशीन सब में गणित है. अब सामाजिक विज्ञान से लेकर मनोविज्ञान में गणित का प्रयोग हो रहा है. बस एकाग्र होने की जरूरत है. इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई के प्रो अजीत कुमार ने नौवीं से 10वीं के छात्र-छात्राओं को संख्या प्रणाली का इस्तेमाल पर प्रकाश डालते नजर आये, उन्होंने कहा कि हम गणित, विज्ञान, इंजीनियरिंग और कंप्यूटर के क्षेत्र में संख्या प्रणाली का इस्तेमाल करते हैं. प्रो राहुल कुमार ने यूक्लिड ज्यमितीय पर व्याख्यान में बिंदुओं, रेखाओं, तलों और ठोस चीजों के गुण स्वभाव, मापन और उनके अंतरिक्ष में सापेक्षिक स्थिति का अध्ययन करने पर अपनी बातें रखी. बिंदुओं, रेखाओं, तलों और ठोस चीजों के गुण स्वभाव, मापन और उनके अंतरिक्ष में सापेक्षिक स्थिति का अध्ययन किया जाता है.